آيَاتُهَا ٤ ❀ (١١٢) سُوْرَةُ الْإِخْلَاصِ ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(112) सूरतुल इख़्लास ख़ालिस	आयात 4

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ ﴿١﴾ اَللّٰهُ الصَّمَدُ ﴿٢﴾ لَمْ يَلِدْ ۙ

न उस ने जना	2	बेनियाज़	अल्लाह	1	एक	अल्लाह	वह	कह दीजिए

ع ١ ٤ ٣٨ وَلَمْ يُوْلَدْ ﴿٣﴾ وَلَمْ يَكُنْ لَّهٗ كُفُوًا اَحَدٌ ﴿٤﴾

4	कोई	हमसर	उस का	है	और नहीं	3	और न वह जना गया

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है
कह दीजिए: वह अल्लाह एक है, (1)
अल्लाह बेनियाज़ है, (2)
न उस ने (किसी को) जना और न (किसी ने) उस को जना, (3)
और उस का कोई हमसर नहीं। (4)

آيَاتُهَا ٥ ❀ (١١٣) سُوْرَةُ الْفَلَقِ ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(113) सूरतुल फ़लक़ सुबह	आयात 5

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ﴿١﴾ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ ﴿٢﴾

2	जो उस ने पैदा किया	शर	से	1	सुबह	रब की	मैं पनाह में आता हूँ	कह दीजिए

وَمِنْ شَرِّ غَاسِقٍ اِذَا وَقَبَ ﴿٣﴾ وَمِنْ شَرِّ النَّفّٰثٰتِ

फूंके मारने वालियां	शर	और से	3	छा जाए	जब	अन्धेरा	शर	और से

ع ١ ٥ ٣٨ فِى الْعُقَدِ ﴿٤﴾ وَمِنْ شَرِّ حَاسِدٍ اِذَا حَسَدَ ﴿٥﴾

5	वह हसद करे	जब	हसद करने वाले	और शर से	4	गिरहें	में

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है
कह दीजिए: मैं पनाह में आता हूँ सुबह के रब की, (1)
उस के शर से जो उस ने पैदा किया, (2)
और अन्धेरे के शर से जब कि वह छा जाए, (3)
और गिरोहों में फूंके मारने वालियों के शर से, (4)
और शर से हसद करने वाले के जब वह हसद करे। (5)

آيَاتُهَا ٦ ❀ (١١٤) سُوْرَةُ النَّاسِ ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(114) सूरतुन नास लोग	आयात 6

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ النَّاسِ ﴿١﴾ مَلِكِ النَّاسِ ﴿٢﴾ اِلٰهِ النَّاسِ ﴿٣﴾

3	लोग	माबूद	2	लोग	बादशाह	1	लोग	रब की	मैं पनाह में आता हूँ	कह दीजिए

مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ ۙ الْخَنَّاسِ ﴿٤﴾ الَّذِىْ يُوَسْوِسُ فِىْ

में	वस्वसा डालता है	जो	4	छुप कर हमला करने वाले	वस्वसा डालने वाले	शर	से

ع ١ ٦ ٣٩ صُدُوْرِ النَّاسِ ﴿٥﴾ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ﴿٦﴾

6	और इन्सान	जिन्न (जमा)	से	5	लोग	सीने (दिल)

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है
कह दीजिए: मैं पनाह में आता हूँ लोगों के रब की, (1)
लोगों के बादशाह की, (2)
लोगों के माबूद की, (3)
वस्वसा डालने वाले, पलट पलट कर हमला करने वाले के शर से, (4)
जो वस्वसा डालता है लोगों के दिलों में, (5)
जिन्नों में से और इन्सानों में से। (6)